तर्ज-जिंदगी प्यार का गीत है

पन्ना रूहों का निजधाम है,
यहां रूहों को आना पड़ेगा
यहां आकर के सब रूहों को,
देखो सजदा बजाना पड़ेगा
1- माया बलवान है भी तो क्या,
रोड़े अटकाये तो भी है क्या
माया फुसलाये तो भी है क्या,
यहां रूहों को आना पड़ेगा
2- बिछुड़ी रुहों का मेला भी है,
मिल के प्रेम उमड़ता भी है
यहां मेहरों के सागर भी हैं,
यहां रूहों को आना पड़ेगा
3- सारी शोभा परमधाम की,
उतर आई है देखो यहीं
तलब जिसको है दीदार की,
पिया दिल में बसाना पड़ेगा

Nijanand App